No. of Printed Pages : 3

MSK–012

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एस.के.-012 : धर्मशास्त्र एवं पुराणेतिहास

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। सभी उत्तरों का माध्यम केवल एक भाषा संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी हो।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में दीजिए।* 15×4=60

1. धर्मशास्त्र का उद्‌भव कैसे हुआ ? धर्मशास्त्र की विकास-प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. 'याज्ञवल्क्य स्मृति' के व्यवहाराध्याय की विषय-वस्तु का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. 'धर्म' शब्द की उत्पत्ति और व्युत्पत्ति को स्पष्ट कीजिए एवं प्रमुख धर्मसूत्रों का विषय-वस्तु सहित परिचय दीजिए।

4. पुराणकालीन समाज और संस्कृति पर विस्तृत रूप से चर्चा कीजिए।

5. रामायण के साहित्यिक महत्व का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

6. महाभारतकालीन समाज और संस्कृति का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$10 \times 4 = 40$

7. अर्थशास्त्र का परिचय देते हुए उसके वर्ण्य-विषय पर प्रकाश डालिए।

8. पुराणों की संख्या बताते हुए विविध पुराणों पर प्रकाश डालिए।

9. रामायण का परिचय देते हुए उसके काल-निर्धारण को स्पष्ट कीजिए।

10. महाभारतकालीन समाज कैसा था ? स्पष्ट कीजिए।

11. 'मनुस्मृति' के प्रथम अध्याय की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए।

12. पुराणों में वर्णित साहित्यिक तत्वों पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×